

पब्लिक रिसर्च सर्वे ने लगभग हर क्षेत्र में भजनलाल सरकार को गहलोत से बेहतर पाया

आमजन ने बिजली, पेयजल, कानून व्यवस्था, उद्योग, निवेश, युवा रोजगार व किसान कल्याण में गहलोत सरकार से बेहतर प्रदर्शन माना

—कार्यालय संवाददाता—

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 2 साल के कार्यकाल को प्रदेश की जनता ने पूर्ववर्ती अशोक गहलोत की सरकार से काफी बेहतर बताया है। पब्लिक रिसर्च एंड एडवाइजरी सर्विसेज द्वारा प्रदेश के 200 विधानसभा क्षेत्रों में करवाए गए सर्वे और 10 हजार से अधिक लोगों के फीडबैक के आधार पर यह निष्कर्ष निकला है।

संस्था ने इन 200 विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्येक जगह 50-50 लोगों से बात की, जिसमें उन्होंने भजनलाल सरकार की नीतियों, योजनाओं और कार्यशैली के प्रभाव के बारे में जानकारी जुटाई। साथ ही भजनलाल सरकार के कार्यकाल को पूर्ववर्ती अशोक गहलोत की सरकार के कार्यकाल से भी तुलना करते हुए सवाल पूछे। आमजन से पानी, बिजली, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, उद्योग, निवेश, रोजगार, कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार नियंत्रण, खेलकूद विकास नीति पर बातचीत की गई थी।

पब्लिक रिसर्च एंड एडवाइजरी सर्विसेज इंडिया ने राजस्थान तुलनात्मक जनमत सर्वेक्षण-नवंबर 2025 की रिपोर्ट जारी की। इसमें कहा गया है कि राजस्थान की कानून व्यवस्था और पुलिस प्रणाली के

■ पब्लिक रिसर्च एंड एडवाइजरी सर्विसेज द्वारा प्रदेश के 200 विधानसभा क्षेत्रों में करवाए गए सर्वे और 10 हजार से अधिक लोगों के फीडबैक के आधार पर यह निष्कर्ष सामने आया है।

■ संस्था ने इन 200 विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्येक जगह 50-50 लोगों से बात की, जिसमें उन्होंने भजनलाल सरकार की नीतियों, योजनाओं और कार्यशैली के प्रभाव के बारे में जानकारी जुटाई। साथ ही भजनलाल सरकार के कार्यकाल को पूर्ववर्ती अशोक गहलोत की सरकार के कार्यकाल से भी तुलना करते हुए भी सवाल पूछे।

संदर्भ में 62 प्रतिशत लोगों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार को पिछली कांग्रेस सरकार से बेहतर बताया, जबकि 14 प्रतिशत लोगों ने इसे सामान्य बताया।

यह आंकड़ा सरकार की “सुरक्षित राजस्थान” नीति पर जनता के भरोसे को दर्शाता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 2 वर्ष के कार्यकाल को लेकर 56 प्रतिशत नागरिकों ने बेहतर बताया, जबकि 23 प्रतिशत लोगों ने इसे सामान्य माना। यह स्पष्ट संकेत है कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व और प्रशासनिक कार्यकुशलता को जनता ने सकारात्मक दृष्टि से देखा है।

पेयजल के मुद्दे पर 58 प्रतिशत

उत्तरदाताओं ने माना कि मौजूदा सरकार में पानी की आपूर्ति और वितरण व्यवस्था बेहतर हुई है, जबकि 22 प्रतिशत लोगों ने इसे सामान्य और 20 प्रतिशत ने कमजोर बताया। ग्रामीण इलाकों में पेयजल परियोजनाओं को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली है। बिजली आपूर्ति के मुद्दे पर 52 प्रतिशत लोगों ने माना कि बिजली आपूर्ति, कटौती नियंत्रण और बिलिंग प्रणाली में सुधार हुआ है। केवल 26 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इसे कमजोर बताया, जबकि 22 फीसदी लोगों ने इसे सामान्य माना। इससे संकेत मिलता है कि सरकार की ऊर्जा नीति पर जनता का भरोसा बढ़ा है।

शिक्षा क्षेत्र में 48 प्रतिशत नागरिकों ने शिक्षकों की उपलब्धता और शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बताया, जबकि 36 प्रतिशत ने इसे सामान्य बताया। स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में 44 प्रतिशत लोगों ने सुधार की बात कही, 31 प्रतिशत ने सामान्य और 25 प्रतिशत ने कमजोर बताया। इसका अर्थ है कि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में प्रगति हुई है, लेकिन अभी भी अपेक्षाएं बनी हुई हैं।

बुजुर्ग पेंशन, विधवा सहायता और गरीब कल्याण योजनाओं के संदर्भ में 38 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इन्हें बेहतर बताया, जबकि 42 प्रतिशत लोगों ने इसे सामान्य और 30 प्रतिशत ने कमजोर माना।

राज्य में नए उद्योगों, निवेश और रोजगार के माहौल को लेकर जनता ने सरकार को उच्च अंक दिए। 64 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि औद्योगिक माहौल में सुधार हुआ है, जबकि केवल 22 प्रतिशत ने इसे कमजोर माना।

कृषि और किसान कल्याण योजनाओं के क्षेत्र में भी 63 प्रतिशत किसानों ने वर्तमान सरकार को बेहतर बताया, जिससे यह स्पष्ट है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर सरकार के प्रयासों को जनता ने सराहा है। युवाओं और रोजगार नीति पर 56 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने युवाओं

के लिए रोजगार, स्किल डेवलपमेंट और स्टार्टअप योजनाओं में सरकार को बेहतर बताया, जबकि 23 प्रतिशत ने सामान्य और 21 प्रतिशत ने कमजोर कहा।

सरकारी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता को लेकर 49 प्रतिशत नागरिकों ने कहा कि वर्तमान सरकार बेहतर काम कर रही है, 24 प्रतिशत ने सामान्य और 27 प्रतिशत ने कमजोर बताया।

इसका संकेत है कि जनता को शासन में ईमानदारी और जवाबदेही की झलक दिखाई दी है।

खेल सुविधाओं, स्टेडियम और प्रशिक्षण केंद्रों के विकास को लेकर 42 प्रतिशत लोगों ने सरकार को बेहतर, 27 प्रतिशत ने सामान्य और 31 प्रतिशत ने कमजोर बताया।

सर्वे के अंत में जब नागरिकों से पूछा गया कि कुल मिलाकर किस सरकार का प्रदर्शन बेहतर रहा, तो 48 फीसदी लोगों ने वर्तमान भाजपा सरकार को बेहतर बताया, 21 प्रतिशत ने इसे सामान्य कहा।

इस सर्वे से यह निष्कर्ष निकलता है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की जनता को सुशासन, पारदर्शिता, कानून व्यवस्था और विकास के क्षेत्रों में अपेक्षाकृत अधिक संतोषजनक परिणाम मिले हैं।

कोकीन सप्लाई करने वाले दो विदेशी नागरिक गिरफ्तार

जयपुर। मालवीय नगर पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) पूर्व ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ कोकीन की सप्लाई करने वाले दो विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है और साथ ही उनके पास से 13 ग्राम 44 मिलीग्राम अवैध मादक पदार्थ कोकेन और परिवहन में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन (स्कूटी) भी बरामद किया गया है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से गिरोह के अन्य लोगों के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि शहर में चल रहे अवैध मादक पदार्थ तस्करी को रोकने के लिए ऑपरेशन क्लीन स्वीप चलाया जा रहा है। जिसके चलते मालवीय नगर थाना पुलिस और डीएसटी पूर्व ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ कोकेन की तस्करी करने वाले विदेशी नागरिक 35 वर्षीय ऑस्टिन इज़ चुकू और 38 वर्षीय पीटर ओकेवुडिली को गिरफ्तार किया गया है।

दोनों ही आरोपित अबुलेगमा जिला लायस (नाइजीरिया) हाल शिवदासपुरा जयपुर के रहने वाले हैं। जिनके पास से 13 ग्राम 44 मिलीग्राम अवैध मादक पदार्थ कोकेन और परिवहन में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन (स्कूटी) जब्त की गई है।



राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को ग्रेटर नगर निगम की स्मारिका “ननोबेस” तथा कॉफी टेबल बुक “मेरा जयपुर ग्रेटर” का विमोचन किया। समारोह में सांसद घनश्याम तिवाड़ी, वित्त आयोग अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर मौजूद थे।

जयपुर (कासं)। ग्रेटर नगर निगम द्वारा रविवार को जेएलएन मार्ग स्थित पंचायती राज संस्थान में सम्मान समारोह एवं “ननो-मेघ” स्मारिका एवं “कॉफी टेबल बुक मेरा जयपुर ग्रेटर” का विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शिरकत की। राज्यपाल ने 17 विभूतियों को इस अवसर पर सम्मानित किया, जिन्होंने योग महोत्सव-2025 में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर के निदेशन में नगर निगम ग्रेटर ने स्वच्छता में बेहतरीन काम किया है और इसीलिए

नगर निगम ग्रेटर स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में 16 वें पायदान पर पहुंचा। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने इस अवसर पर अब तक किए गए कार्यों के बारे में प्रकाश डाला और कहा कि जनहित के कार्य उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नगर निगम ग्रेटर ने स्वच्छता के साथ-साथ नवाचार, धर्म कला संस्कृति में कीर्तिमान भी गढ़े हैं।

समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मेघ सिंह चौहान, राज योगिनी बीके, सतपाल सिंह, डॉ. कुलभूषण बैराठी, रवि कामरा, प्रभाकर श्रीवास्तव, नीरज सिंह, विनोद कुमार शर्मा, उमेश शर्मा, रमाकांत मिश्र, सुभाष चंद्र यादव,

धर्मिता चौधरी, सुनीता शर्मा, सुचिता अग्रवाल, संजय छाबड़ा, अलका गॉड, अशोक कुमार शर्मा को सम्मानित किया गया।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने गोपाल शर्मा, तुषार वाघवानी, मौजी शंकर सैनी सहित अन्य कार्मिकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर छात्रवृत्ति योजना के तहत स्वच्छता योद्धाओं के 40 होनहार बच्चों को छात्रवृत्ति राज्यपाल ने प्रदान की। समारोह में राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, वित्त आयोग अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, ग्रेटर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी एवं निगम के अन्य अधिकारी सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

तीखे सवाल-जवाबों के बीच जयपुर डायलॉग संपन्न

तीसरे दिन धर्म, सनातन, भ्रष्टाचार, धर्मांतरण और हिंदू विरोधी गतिविधियों पर जमकर बोले वक्ता

—कार्यालय संवाददाता—

जयपुर। राष्ट्रवादियों का महाकुंभ तीन दिवसीय “जयपुर डायलॉग 2025” रविवार को गर्म-गर्म संवादों और तीखी बहस के साथ संपन्न हो गया। शत्रुबोध थीम पर तीसरे दिन भी विषय विशेषज्ञों और राजनीतिक विश्लेषकों ने विभिन्न सत्रों धर्म, सनातन, भ्रष्टाचार, धर्मांतरण और हिंदू विरोधी गतिविधियों पर जमकर प्रहार किया।

प्रथम सत्र में भारत के राजनीतिक भविष्य को लेकर वक्ताओं ने चर्चा करते हुए कहा कि भारत का भविष्य क्या होगा। विशेष रूप से मोदी-योगी और हिमंता कोनो भारत का भविष्य में नेतृत्व करेंगे। इस सत्र में मोदी के बाद के राजनीतिक नेतृत्व को लेकर अमिताभ अग्रिनहोत्री, ओमकार चौधरी, प्रखर श्रीवास्तव, कंचन गुप्ता, नीरज अत्री, अवनीश शर्मा ने अपनी राय रखी और बताया कि यह किसने सोचा था कि मोदी तीसरी बार भी प्रधानमंत्री का दायित्व संभालेंगे। बीते 11 वर्ष में इतना बदलाव आया यह किसने सोचा था। यह बहुत ही सोच का विषय है। मोदी और योगी को धार्मिक लीडर भी कह सकते हैं और देश का पर्युच भी यही हो सकता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से भारत की यात्रा जिस दिशा में बढ़ी उसे और आगे ले जाने की जरूरत है। इस सत्र का संचालन हर्ष कुमार ने किया।

दूसरे सत्र में सिविलाइजेशन शत्रुबोध विषय पर डॉ. ओमेंद्र रत्नू, शेफाली वैद्य, एस्थर धनराज, संदीप बालाकृष्ण और कार्लिक गौर ने कहा कि देश की घंटिया इतिहासकारों ने सत्य को हमारे गले उतारा और झुठ गढ़ा गया। हिंदुओं पर अत्याचार हुए लेकिन 120 करोड़ हिंदू हमारी



राष्ट्रवादियों के महाकुंभ “जयपुर डायलॉग 2025” में अंतिम दिन भी विषय विशेषज्ञों और राजनीतिक विश्लेषकों ने कई ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की।

सफलता है हमें सतत संघर्ष करना होगा। हमें हिंदू समाज पर गर्व करना चाहिए।

तीसरे सत्र में राजनीतिक शत्रु दिशा और देश को बांटने की राजनीति पर तुहीन सिन्हा, पल्लवी घोष, अभिजीत अय्यर मित्रा, सहजाद पुनावाला, बाबा रामदास, बी डी मूंदड़ा और पत्रकार अभिषेक तिवारी ने इतिहास के संदर्भ देकर सनातन विरोधियों और पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार और गांधी परिवार की ओर से जातीयता, भेदभाव और समानता के मुद्दों को उठाया और विरोधियों की जमकर पोल खोली।

चौथे और आखिरी सत्र में शत्रुबोध से शत्रुनाश विषय पर आर जगन्नाथ, भाऊ तोरसेकर,अवनीश पीएन शर्मा, तहसीन पुनावाला, जयपुर दल के चेयरपर्सन संजय दीक्षित और अनुपम मिश्रा ने शत्रुओं की पहचान

के बाद उनके खतमे की जरूरत पर बल दिया। वक्त होने कहा कि हमें पहले शत्रु को पहचाना होगा और फिर उसको खत्म करने की रणनीति बनानी होगी। इस सत्र में विश्वगुरु मिशन के तहत डिजिटल अखंड भारत के नाम से सनातन धर्म नॉलेज को प्लेटफार्म के माध्यम से शिक्षा संस्थानों में नई पीढ़ी को जोड़ने वाले वर्ल्ड फास्ट एआई फोर सनातन का ऐप लॉन्च किया गया। इस संबंध में बंगाल से आए पिनकी गांगुली ने विस्तार से जानकारी दी। मंच संचालन प्रणय भारद्वाज ने किया।

सेना की जरूरतों को समझे ब्यूरोक्रेसी

युद्ध कला में आमूल चूल परिवर्तन हो चुका

है। वर्तमान में तकनीक के साथ सेना को कदमतान करना होगा। आत्मनिर्भर डिफेंस सेशन में लेफ्टिनेंट जनरल डी पी पांडेय, कर्नल मयंक चौबे, कर्नल अजय रैना और मेजर जनरल सुधाकर ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान गोला बारूद के बजाय तकनीक का शाहदार उपयोग किया गया है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नेवी ने कहा कि अब वे सभी मेक इन इंडिया शिप का ही उपयोग करेंगे। सियाचिन में जॉर्ज सो स्क्वैड की चर्चा करते हुए वक्ताओं ने कहा कि ब्यूरोक्रेसी को सेना की जरूरत को समझना पड़ेगा। बढ़ता भारत की चर्चा करते हुए कहा कि भारत से सैन्य उपकरण बड़ी मात्रा में एक्सपोर्ट भी होने लगे हैं। रूस की सेना को युपी की फैक्टरों में बने जूते एक्सपोर्ट किया जा रहा है तो अमरीकी सेना को बेंगलुरु की फैक्टरों से बुलेट प्रूफ जैकेट आपूर्ति किया जा रहा है। नई पीढ़ी की सेना को विकसित किए जाने में युवा शक्ति के स्टार्टअप ने सहायता प्रदान की है। यह संतोष की बात है कि प्राइवेट और सरकारी डिफेंस सेक्टर पूर्व सैन्य विशेषज्ञों की सलाह ले रहे हैं।

इंडियंस कमिंग बैक टू भारत?

पहले मुगल और बाद में अंग्रेजों के शासन में हमारी शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो गई। लेकिन आजादी के बाद बीते 8 दशक में भी हम इसे पटरी पर नहीं ला सके, जो अब तक का सबसे बड़ा नुकसान है। सेसन में संक्रांत शत्रु, सी के राजू, राज वेदम और विजय सरदाना ने कहा कि

आचार्यकुलम में राष्ट्रीय खेल उत्सव की धूम

हरिद्वार के बाद आगरा, लखनऊ और जयपुर में भी प्रतियोगिताएं होगी, पहले खेल उत्सव में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम



आचार्यकुलम और गुरुकुलम में हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं का शुभारंभ योग गुरु स्वामी रामदेव और भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एनपी सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया।

हरिद्वार। देवभूमि की धरा पर भारतीय शिक्षा बोर्ड की ओर से पहला “राष्ट्रीय खेल उत्सव” का शुभारंभ जोश और उत्साह के साथ आचार्यकुलम में किया गया। योग गुरु स्वामी रामदेव और भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एनपी सिंह सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप जलाकर पहले राष्ट्रीय खेल का शुभारंभ किया।

स्वामी रामदेव ने इस अवसर पर भारतीय शिक्षा बोर्ड से संबद्ध देश भर से प्रतिभाग करने आये खिलाड़ियों को आशीर्वाद दिया। स्वामी रामदेव ने कहा कि बच्चों के निर्माण के लिए समग्र दृष्टि चाहिए। इन्हीं दृष्टि को लेकर भारतीय शिक्षा बोर्ड भारत और भारतीयता का झंडा आगे लेकर बढ़ा है।

इससे पूर्व आचार्यकुलम में बच्चों ने स्वामी रामदेव, कार्यकारी अध्यक्ष एनपी सिंह सहित सभी का अभिवादन किया। दीप प्रज्ज्वलन के बाद मार्च पास्ट

■ रसलिंग, जूडो, बार्सेकेटबाल, हैंडबॉल, कबड्डी, मलखम, बैडमिंटन, योग तथा खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन होगा

किया गया। जिसमें भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एनपी सिंह ने बताया कि 13 और 14 नवम्बर को बॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन जीएसएस इंटर कॉलेज, आगरा, उत्तर प्रदेश, 17 और 18 नवम्बर को एथलेटिक्स व बैडमिंटन प्रतियोगिता लालबाग इसाबेला थोबर्न स्कूल लखनऊ, उत्तर प्रदेश में और 21 और 22 नवम्बर को योग व खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन अमेरिकन इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर, राजस्थान में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक सौष्ठव के साथ-साथ मानसिक और चरित्र निर्माण का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि भारतीय शिक्षा बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों के लिए बोर्ड देश में पहली बार प्रथम राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है।

एल.आई.सी. का छमाही लाभांश 1 6.3 6 प्रतिशत बढ़कर 2 1 0 4 0 करोड़ हुआ

गत 30 सितंबर, 2024 को समाप्त छमाही के लिए यह 1 8 0 8 2 करोड़ रुपये था

मुंबई। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के निदेशक मंडल ने 30 सितंबर को समाप्त छमाही के लिए एकल और समेकित वित्तीय परिणामों को स्वीकृत प्रदान की एवं उन्हें अनुमोदित किया। इस छमाही के लिए 30 सितंबर, 2024 को समाप्त छमाही के लिए यह 18082 करोड़ रुपये था, जो कि 16.36 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

प्रथम वर्ष की प्रीमियम आय (एकवाईपीआई) (आईआरडीआई के अनुसार) के आधार पर मापी गई बाजार हिस्सेदारी के संदर्भ में, एलआईसी 30 सितंबर 2025 को समाप्त छमाही के लिए 59.41 प्रतिशत की समग्र बाजार हिस्सेदारी के साथ भारतीय जीवन बीमा व्यवसाय में बाजार अग्रणी बनी हुई है, जबकि 30 सितंबर 2024 को समाप्त छमाही के लिए यह 61.07 प्रतिशत थी। 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही के

लिए, एलआईसी की व्यक्तिगत व्यवसाय में 37.21 प्रतिशत और समूह व्यवसाय में 72.74 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।

दूरस्वामि के सीईओ एवं एमडी आर तुलैस्वामि ने बताया कि कुल प्रीमियम आय 5.14 प्रतिशत बढ़कर 2 लाख 45 हजार 680 करोड़ रुपये हो गई। इसके साथ ही व्यक्तिगत व्यवसाय असहभागी (नॉन पार) एपीई 30.47 प्रतिशत बढ़कर 6234 करोड़ रुपये हो गया है। इसी प्रकार व्यक्तिगत व्यवसाय में असहभागी (नॉन पार) एपीई का हिस्सा वित्त वर्ष 26 की छमाही में 36.31 प्रतिशत रहा, जबकि वित्त वर्ष 25 की छमाही में यह 26.31 प्रतिशत था।

इसी तरह समूह व्यवसाय एपीई 20.30 प्रतिशत बढ़कर 11 हजार 864 करोड़ रु. रुपये हो गया है। इसी प्रकार समग्र एपीई 3.60 प्रतिशत बढ़कर 29034 करोड़ रुपये हो गया। नव व्यवसाय का मूल्य (बीएनबी) 12.30 प्रतिशत बढ़कर 5111 करोड़

रुपये हो गया। बीएनबी मार्जिन (नेट) 140 बीपीएस की वृद्धि के साथ 17.60 प्रतिशत पहुंच गया है। समग्र व्यय अनुपात वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही के लिए 146 बीपीएस की कमी के साथ वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही के 12.74 प्रतिशत से घटकर 11.28 प्रतिशत हो गया। इसी तरह एक्स्पेंस 3.31 प्रतिशत बढ़कर 57.23 लाख करोड़ रुपये हो गया। सॉल्वेंसी अनुपात 1.98 से बढ़कर 2.13 हो गया।

आर तुलैस्वामि ने बताया कि “हम एलआईसी में सितंबर 2025 के दौरान भारत सरकार द्वारा बीमा उद्योग के लिए घोषित जीएसएस इंटरनेटों के सकारात्मक प्रभाव को लेकर बेहद आशावादी हैं। हमारा दृढ़ विश्वास है कि ये परिवर्तन ग्राहकों के सर्वोत्तम हित में हैं और भारत में जीवन बीमा उद्योग के विकास को और तेज करेंगे। एलआईसी के रूप में हमने यह सुनिश्चित किया है कि जीएसटी परिवर्तनों के सभी अपेक्षित लाभ ग्राहकों तक पहुंचें।

प्रसार भारती अध्यक्ष सहगल ने ली बैठक

जयपुर। प्रसार भारती के अध्यक्ष नवीनत कुमार सहगल ने 8 और 9 नवम्बर को आकाशवाणी और दूरदर्शन केंद्र जयपुर का दो-दिवसीय दौरा किया।

अपने अवलोकन एवं समीक्षा बैठकों के दौरान उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आकाशवाणी और दूरदर्शन राजस्थान को अधिक से अधिक जनोपयोगी, लोकहितकारी, आध्यात्मिक एवं उपयोगिता आधारित कार्यक्रम प्रसारित करने चाहिए, ताकि आमजन को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचे और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को सरल, प्रभावी और जन-संवदात्मक रूप में प्रसारित किया जाए ताकि आम नागरिक इनसे अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें।

9 नवम्बर को दूरदर्शन केंद्र में आयोजित बैठक में अध्यक्ष सहगल ने कहा कि कार्यक्रम निर्माण में नवीनता, अध्यात्म, सामाजिक

■ दूरदर्शन और आकाशवाणी कार्यक्रमों को अधिक जन-उन्मुख बनाने पर दिया जोर

उपयोगिता और जनसेवा की भावना प्रमुख रूप से दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने दूरदर्शन टीम को प्रेरित करते हुए कहा कि हर कार्यक्रम जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप हो, उनकी समस्याओं के समाधान में मदद करे और जागरूकता बढ़ाने वाला हो। आज की बैठक से पूर्व अध्यक्ष सहगल ने दूरदर्शन परिसर में वृक्षारोपण किया। इसके बाद आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने दोहराया कि दूरदर्शन राजस्थान को राष्ट्रीय प्रसारण में और अधिक प्रभावी भूमिका निभानी है, और हम सभी को एक टीम की तरह मिलकर जनहित व राष्ट्रहित के कार्यक्रमों का निर्माण करना है।

केंद्र प्रमुख सतीश देपाल ने अध्यक्ष सहगल को स्मृति चिन्ह भेंट किया, कार्यक्रम प्रमुख सीमा विजय ने पुष्पगुच्छ भेंट किया और समाचार प्रमुख मंजू मीणा ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।